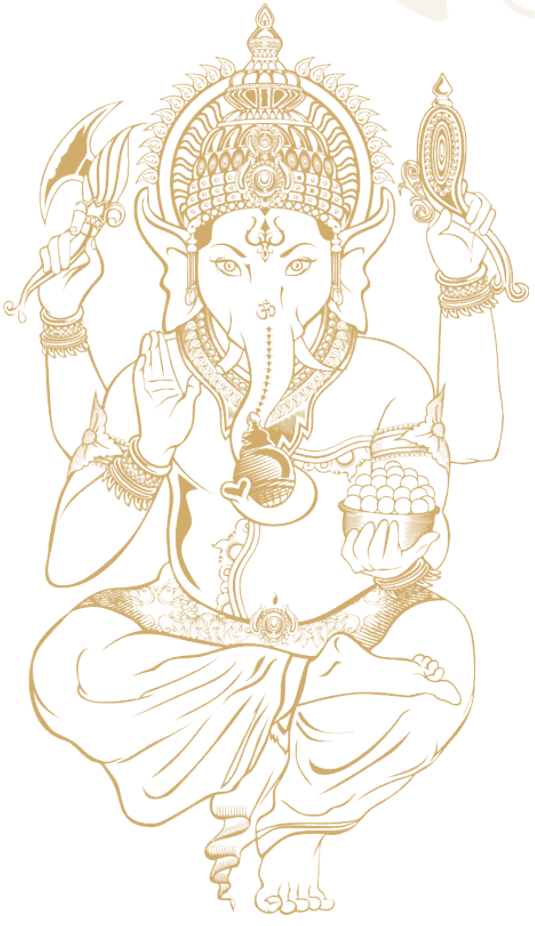

Inder kumar

Usha devi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121540604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/07/2001	जन्म तिथि	07/04/2007
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:00:00	जन्म समय	19:00:00 घंटे
घटी 26:19:23	जन्म समय(घटी)	32:08:11 घटी
India	देश	India
Doda	स्थान	Delhi
33:09:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:36:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:14	सूर्योदय	06:05:19
19:38:03	सूर्यास्त	18:42:01
23:52:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:57:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 8वर्ष 6मा 16दि	08:26:46	वृश्चि	लग्न	कन्या	28:07:41	**शनि 0वर्ष 4मा 4दि**
शुक्र	27:13:10	मिथु	सूर्य	मीन	23:23:41	**केतु**
28/01/2017	23:17:52	मीन	चंद्र	वृश्चि	16:25:25	**11/08/2024**
28/01/2037	21:32:00	वृश्चि व	मंगल	कुंभ	06:57:26	**12/08/2031**
शुक्र 30/05/2020	06:42:28	मिथु	बुध	मीन	00:40:23	केतु 07/01/2025
सूर्य 30/05/2021	06:13:23	मिथु	गुरु व	वृश्चि	25:48:57	शुक्र 09/03/2026
चन्द्र 29/01/2023	14:36:26	वृष	शुक्र	वृष	00:42:46	सूर्य 15/07/2026
मंगल 30/03/2024	16:29:06	वृष	शनि व	कर्क	24:20:01	चन्द्र 13/02/2027
राहु 30/03/2027	12:22:17	मिथु व	राहु व	कुंभ	21:43:34	मंगल 12/07/2027
गुरु 28/11/2029	12:22:17	धनु व	केतु व	सिंह	21:43:34	राहु 30/07/2028
शनि 28/01/2033	00:12:43	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	22:32:22	गुरु 06/07/2029
बुध 29/11/2035	13:57:43	मक व	नेप	मक	27:28:19	शनि 15/08/2030
केतु 28/01/2037	19:05:44	वृश्चि व	प्लूटो व	धनु	04:59:45	बुध 12/08/2031

लग्न-चलित

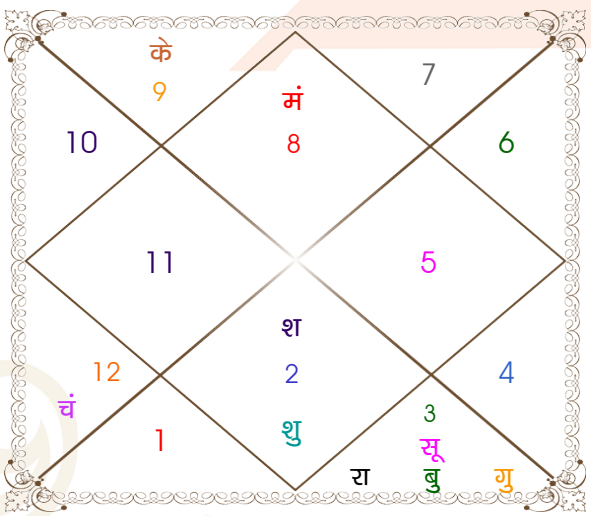

लग्न-चलित

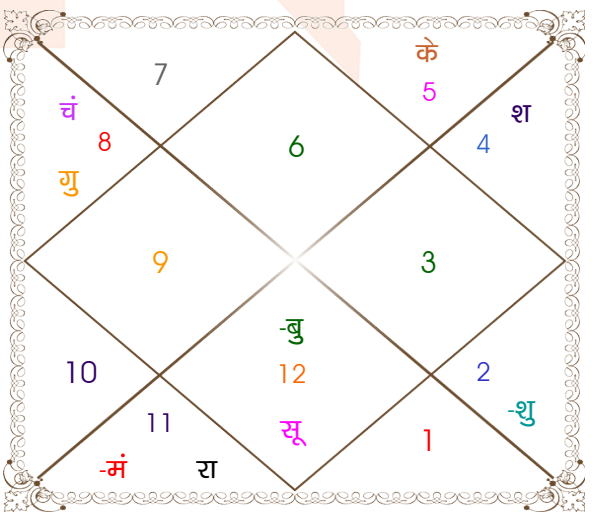

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

प्दकमत ।नउंत का वर्ग सर्प है तथा नैं कमअप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार प्दकमत ।नउंत और नैं कमअप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

प्दकमत ।नउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल प्दकमत ।नउंत कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

नैं कमअप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु नैं कमअप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

प्दकमत ानउंत तथा नैं कमअप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।